संगति का फल

प्रश्न उत्तर

प्रश्न-1 बहेलिया ने दो तोते किस-किस को बेचे?

उत्तर सवेरा होते ही बहेलिया दोनों तोतों को पिजड़ों में रखकर बेचने गया। उसने उनमें से एक तोते को मंदिर के पुजारी को बेच दिया और दूसरे को एक कसाई को बेच दिया।

प्रश्न-2 मंदिर वाले तोते ने क्या-क्या बोलना सीखा?

उत्तर मंदिर वाले तोते ने कई श्लोक और दोहे सीख लिए। वह जब उन्हें बोलता था लोग खुश हो जाते थे और तोते की प्रशंसा करते थे।

प्रश्न-3 कसाई का तोता क्या बोलता था?

उत्तर कसाई का तोता दिन भर जो सुनता था वही बोलता था मारो काटो भूनो खाओ यही शब्द उसने रट रखे थे और इन्हें ही बोलता रहता था।

प्रश्न-4 राजा जब सेवकों के साथ मंदिर में आया तो तोते ने क्या कहा ?

उत्तर राजा जब सेवकों के साथ मंदिर में आया तो मंदिर के तोते ने कहा-"आइए श्रीमान आपका स्वागत है।"

प्रश्न-5 राजा ने कसाई के तोते को मारने का आदेश क्यों दिया?

उत्तर जब कसाई की दुकान के पास से राजा और उसके सेवक निकले तो कसाई का तोता बोला मारो काटो भागने न पाए यह सुनकर राजा क्रोध से भर गया उसने अपने सेवकों को आदेश दिया कि बुरा बोलने वाले इस तोते को मार डालो।

प्रश्न-6 मंदिर वाले तोते ने राजा को क्यों कहा कि कसाई के तोते को मत मारो?

उत्तर मंदिर वाले तोते ने राजा को इसलिए कहा कि कसाई के तोते को मत मारो क्योंकि वह उसका भाई था उसे पता था की उसका भाई बुरी संगति रहने के कारण ही बुरे शब्द बोलना सीख गया है उसमें उसका कोई दोष नहीं है, यह तो संगति का फल है।

प्रश्न-7 संगति का क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर किसी के भी जीवन में संगति का बहुत प्रभाव पड़ता है। अच्छी संगति में रहने पर इंसान अच्छा बन जाता है और बुरी संगति में रहने पर बुरा। एक बुरा इंसान भी अच्छी संगति पाकर अच्छे रास्ते पर चलने लगता है और अच्छा बन जाता है। इसलिए हमें हमेशा बुरी संगति से बचना चाहिए और अच्छी संगति में रहना चाहिए।

****